पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने पूर्व मुख्य सचिव शम्भु नाथ की चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

लखनऊः 27 नवम्बर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज डाॅ0 शम्भु नाथ पूर्व मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश की चित्रकला प्रदर्शनी 'धूपछाँही जीवन - रेखा और रंगों का एक सफर' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वरिष्ठ रंगकर्मी श्री सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ, पूर्व कुलपति डाॅ0 अनीस अंसारी, अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल श्री हेमन्त राव सहित बड़ी संख्या में कलाप्रेमी जन उपस्थित थे। राज्यपाल ने इस अवसर पर डाॅ0 शम्भु नाथ द्वारा रचित 'रेखा और रंग का एक सफर' नामक काॅफी टेबल बुक का लोकार्पण भी किया। ज्ञातव्य है कि डाॅ0 शम्भु नाथ पूर्व राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री के प्रमुख सचिव के पद पर राजभवन में कार्य कर चुके हैं।

राज्यपाल ने चित्रकला प्रदर्शनी के उद्घाटन के पश्चात् अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि इससे पूर्व कई चित्रकला प्रदर्शनियों का उद्घाटन किया है पर डाॅ0 शम्भु नाथ के चित्र स्वयं बोलते हैं। उनकी काव्यमय चित्रकारी की बात और थीम स्वतः समझ में आती है। डाॅ0 शम्भु नाथ से पूर्व की पहचान है, कई कार्यक्रमों में उन्हें सुनने का अवसर मिला है। वे मुख्य सचिव थे एवं साहित्यकार हैं इसकी जानकारी थी पर वे एक सशक्त चित्रकार भी हैं इसकी जानकारी आज हुई है। उन्होंने कहा कि डाॅ0 शम्भु नाथ प्रशासनिक अधिकारी थे पर साहित्य एवं कला साधना के लिये समय निकाल लेते थे। यह उनके समय प्रबंधन का एक उदाहरण है। श्री नाईक ने इस अवसर पर अपने विद्यार्थी जीवन में चित्र बनाने का एक प्रसंग भी सुनाया।

डाॅ0 शम्भुनाथ ने अपने संस्मरणों को साझा करते हुये बताया कि बचपन में वे पहले मिट्टी पर आकृति बनाते थे, फिर पेड़ की टहनी से चित्रकारी करते-करते पेंसिल से दीवारों पर चित्र बनाने लगे। उनके पिता ने दीवार पर चित्र न बनाने के लिये रंग और कागज खरीदने को 'चार आने पैसे' देकर कहा कि दीवार पर चित्रकारी न करके विधिवत कागज पर चित्रकारी करें। प्रशासनिक सेवा में आने के बाद व्यस्तता के कारण चित्रकारी का शौक थमने लगा पर सेवा से अवकाश प्राप्ति के बाद फिर से शुरूआत की। उन्होंने कहा कि 'जब दोबारा शुरूआत की तो ऐसा लगा जैसे रंग और रेखायें फिर से मुझे पुकारने लगी।'

कार्यक्रम का संचालन पूर्व प्रशासनिक अधिकारी श्री आर0के0 ओझा ने किया। तीन दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी में 28 नवम्बर को चित्रकला एवं कविता के अन्तर्सम्बंध पर एक संगोष्ठी होगी तथा 29 नवम्बर को समापन होगा जिसमें सुप्रसिद्ध चित्रकारों द्वारा रेखांकन एवं चित्रकला का जीवंत प्रदर्शन किया जायेगा। यह प्रदर्शनी पूर्वान्ह 11.30 बजे से सायं 6.00 बजे तक दर्शकों के लिये खुली रहेगी।

अंजुम/ललित/राजभवन (466/47)

रेखा और रंगों
का
एक सफर